विभिन्न चरणों में चल रहा है जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 235 मेगावाट होगी। इनमें से दो-दो यूनिट उत्तर प्रदेश में नरोरा में, गुजरात में ककरापार में, कर्नाटक में कैगा में और राजस्थान में रावतभाटा में लगाए जाएंगे। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर परमाणु बिजलीघरों की स्थापित क्षमता बढ़कर 3110 मेगावाट हो जाएगी। 235 मेगावाट क्षमता वाले चार और यूनिटों और 500 मेगावाट क्षमता वाले 6 यूनिट का निर्माण कार्य सातवीं योजना की अवधि में शुरु किया जाएगा। शताब्दी के अन्त तक परमाणु बिजलीघरों की स्थापित क्षमता को बढ़ाकर लगभग 10,000 मेगावाट कर देने के उद्देश्य से 500 मेगावाट क्षमता वाले 6 और यूनिट लगाने की योजना भी बनाई जा रही है।

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजनाओं के पूरा किये जाने में विलम्ब

2025. **श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी : क्या प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मद्रास परमाणु विद्युत परियोजनाओं के प्रथम दो एककों के निर्माण कार्य में विलम्ब हुआ है और वे निर्धारित समय से देरी से पूरी हुई ;

(ख) यदि हां, तो इन एककों को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गयी थी और उन्हें पूरा करने में वास्तव में कितना समय लगा ;

(ग) क्या यह सच है कि उनके पूरा होने में विलम्ब के कारण उनकी निर्माण लागत इस उद्देश्य के लिए निर्धारित व्यय से अधिक हो गयी ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के प्रारम्भ में विद्युत उत्पादन में होने वाला व्यय आज के वास्तविक व्यय से बहुत कम आंका गया था और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अन्तरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन्) : (क) से (ग) सूचना नीचे दी जा रही है :—

	मद्रास परमाणु बिजलीघर—I	मद्रास परमाणु बिजली II
मूल संस्वीकृत लागत	61.78 करोड़ रुपये (1965 के मूल्य स्तर के अनुसार)	70.63 करोड़ रुपये (1967 के मूल्य स्तर के अनुसार)
अन्तिम रूप से संस्वीकृत लागत	118.23 करोड़ रुपये	127.04 करोड़ रुपये
पूरा होने की प्रत्याशित तारीख	दिसम्बर, 1973	नवम्बर, 1976
पूरा होने की वास्तविक तारीख	जुलाई, 1983	अगस्त, 1985

(घ) किसी भी बिजलीघर में, चाहे वह ताप बिजलीघर हो चाहे परमाणु बिजलीघर, पैदा होने वाली बिजली की लागत प्रत्येक वर्ष के लिए अलग होती है तथा इस बात पर निर्भर करती है कि जिस वर्ष में व्यय किया गया उस वर्ष मूल्य-स्तर क्या था।

मद्रास परमाणु बिजलीघर में पैदा हुई बिजली की वर्तमान दर 45 पैसे प्रति किलोवाट घंटा है। यह बताया गया है कि 1983–84 में तमिलनाडु में बिजली के उत्पादन पर आई औसत लागत तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के ताप बिजलीघरों के मामले में 70.55 पैसे प्रति किलोवाट घंटा थी।